आखिर कैसे नष्ट हुई सिंधु घाटी सभ्यता, क्या है हड़प्पा का रहस्य ?

भाग-3

डॉ विभूति भूषण
सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

SNSRKS, कॉलेज सहरसा

कैसे नष्ट हुई सिंधु घाटी सभ्यता]

सिंधु घाटी सभ्यता का अंत कैसे हुआ. क्या इसका पतन बाढ़ द्वारा हुआ. क्या मानव की भूमिका के वजह से हड़प्पा सभ्यता का पतन हुआ? क्या हड़प्पा सभ्यता का अंत प्रकृति के कोप के कारण हुआ?आखिर कैसे नष्ट हो गई सिंधु घाटी सभ्यता, हड़प्पा का रहस्य क्या है. इंडस वैली सिविलाइज़ेशन के पतन के पीछे क्या कारण थे? सिंधु घाटी सभ्यता के पतन से संबंधित सर्वाधिक मान्य सिद्धांत क्या है.

हड़प्पा सभ्यता के उत्पत्ति की भांति ही इसके पतन को लेकर भी विभिन्न विद्वानों की अलग-अलग राय है. इसके पतन से संबंधित प्रमुख सिद्धांत एवं विचार निम्न है.

1. बाढ़ द्वारा पतन - मार्शल मैके, S R राव जैसे विद्वानों का मानना है की एक भीषण बाढ़ के फलस्वरूप इस महान सभ्यता का पतन हो गया.

2. नदियों का सुख जाना - D P अग्रवाल, अमलानन्द घोष, P सूद जैसे विद्वानों का मानना है की नदियों के सुख जाने से इस सभ्यता का पतन हो गया. यह सभ्यता नदी पर बहुत अधिक तक निर्भर थी. ऐसे में नदी के सुख जाने से जन-जीवन बहुत कष्टप्रद हो गया. कृषि के साथ ही व्यापार-वाणिज्य भी प्रभावित हुआ. फलतः धीरे-धीरे हड़प्पा शहरी सभ्यता का अंत हो गया. इस मत को अन्य मत के अपेक्षा अधिक विश्वशनीय मत माना जाता है.

3. नदियों का मार्ग परिवर्तन - M S वत्स जैसे इतिहासकार का मानना है की नदियों के मार्ग बदल लेने से इस शहरी सभ्यता का पतन हो गया.

4. भूगर्भिक हलचल (भूकम्प) - R A राईस, M A साहनी जैसे विद्वान इस सभ्यता के पतन के पीछे भूगर्भिक कारकों को उत्तरदायी मानते है.

5. मलेरिया जैसी महामारी - अमेरिकी विद्वान कैनेडी जैसे इतिहासकार का मानना है की मलेरिया जैसे महामारी के फैलने से इस सभ्यता का पतन हो गया.

6. आर्यों का आक्रमण - यह मत मार्टिमर, व्हीलर, गार्डन चाइल्ड जैसे इतिहासकारों द्वारा दिया गया है. इसके अनुसार आर्यों के आक्रमण के फलस्वरूप इस सभ्यता का पतन हो गया. इस मत को सर्वाधिक कमजोर मत माना जाता है. इसके कहीं भी एतिहासिक प्रमाण प्राप्त नहीं होते है.

7. प्रशासन गिरावट - मार्शल जैसे विद्वान इस सभ्यता के अंत के लिए राजनीति एवं प्रशासन में गिरावट को वजह मानते है. हालाँकि लिपि नहीं पढ़े जाने के कारण इस सभ्यता के प्रशासन के बारे में अधिक पता नहीं चल पाया है लेकिन उत्खनित वस्तुओं से ज्ञात जीवन शैली को देखकर एक बेहतर प्रशासनिक तंत्र होने का अंदाजा लगाया जा सकता है. कुछ विद्वान का मानना है की इसी प्रशासन तंत्र में गिरावट के फलस्वरूप हड़प्पा सभ्यता का पतन हो गया.

8. व्यापार का पतन - यह सर्वाधिक लोकप्रिय मत है. इसके अंतर्गत माना जाता है की व्यापार में गिरावट आने से इस सभ्यता का क्रमशः अंत हो गया. हड़प्पा सभ्यता व्यापार पर निर्भर शहरी सभ्यता थी. ऐसे में इस मत को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्व दिया जाता है.

9. जलवायु परिवर्तन या पारिस्थितिकी असंतुलन - जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप सिंधु घाटी सभ्यता का अंत अधिक विश्वसनीय माना जाता है. इसे फेयर सर्विस तथा गुरदीप सिंह जैसे विद्वानों ने दिया था. इस मत के समर्थन में धीरे-धीरे अन्य विद्वान भी आते गये . वर्तमान में यह सर्वाधिक लोकप्रिय मत है.